



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 210] नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 25, 1985/वैशाख 5, 1907  
No. 210] NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 25, 1985/VAISAKHA 5, 1907

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

## उद्योग और कम्पनी कार्य मन्त्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नं० दि० 25 अक्टूबर 1985  
आदेश

का आ 30(घ)/18क/आई डी आर ए /45 -1 अद्य  
सरकार ने उद्योग (विकास और प्रवर्धन) संहिता, 1947 (1951  
ए 65) की धारा 1 के अन्तर्गत अध्याय (1) के खण्ड (ख) द्वारा  
प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करने हेतु भारत सरकार के मन्त्रालय औद्योगिक  
विकास मन्त्रालय के आदेश नं० का आ 30(घ)/18क/आई डी  
आर ए /74 तारीख 1 अक्टूबर 1974 (जिसमें एमम पञ्चम  
उक्त आदेश बना गया है) द्वारा उक्त विविध व्यक्ति निकायों का  
संश्लेषण मात्र एक संयुक्त संयुक्त व्यक्ति निकाय का प्रबंध  
1 अक्टूबर, 1974 से पारम्भ होने वाले पारस्परिक संबंधों के लिए  
अनुमति देने के लिए प्राधिकृत किया था और भारत सरकार के उद्योग  
मन्त्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश नं० का आ 507  
(अ) 18क/आई डी आर ए /75 तारीख 25 मिनस्वर 1985  
द्वारा उक्त व्यक्ति निकाय के स्थान पर उक्त औद्योगिक व्यवसाय में  
अधिकांशक थीं जो एमम संयुक्त या प्रतिनिधित्व विभागा था  
और भारत सरकार के उद्योग मन्त्रालय (औद्योगिक विकास विभाग)  
के आदेश नं० का आ 30(घ) 18क/आई डी आर ए /80

तारीख 20 अक्टूबर 1980 द्वारा अ क एमम बैनजी उप महा  
प्रधान भारती हेतु इलेक्ट्रिकल विभिन्न कलकत्ता की उक्त औद्योगिक  
व्यवसाय में एमम संयुक्त करने के लिए प्राधिकृत किया था

आर एम ए सरकार के उद्योग मन्त्रालय (औद्योगिक विकास विभाग)  
के आदेश

नं० का आ 57 (अ) 18क/आई डी आर ए /79 तारीख 8 अक्टूबर  
1979

नं० का आ 79 (अ) 18क/आई डी आर ए /81 तारीख 6 अक्टूबर  
1981

नं० का आ 263 (अ) 18क/आई डी आर ए /82 तारीख 8 अप्रैल,  
1982

नं० का आ 710 (अ) 18क/आई डी आर ए /83 तारीख 8 अक्टूबर,  
1982

नं० का आ 5 (अ) 18क/आई डी आर ए /84 तारीख 7 जनवरी,  
1983

नं० का आ 282 (अ) 18क/आई डी आर ए /85 तारीख 5 अप्रैल,  
1983

नं० का आ 718 (अ) 18क/आई डी आर ए /85 तारीख 5 अक्टूबर,  
1983

सं. का. आ. 10(अ)/18कक/आई. ड. आर. ए./84, तारीख 7 जनवरी,  
1984

सं. का. आ. 271(अ)/18कक/आई. ड. आर. ए./84, तारीख 7 अप्रैल,  
1984

सं. का. आ. 491(अ)/18कक/आई. ड. आर. ए./84, तारीख 6 जुलाई,  
1984

सं. का. आ. 761(अ)/18कक/आई. ड. आर. ए./84, तारीख 1 अक्टूबर,  
1984

सं. का. आ. 817(अ)/18कक/आई. ड. आर. ए./84, तारीख 5 नवंबर,  
1984

सं. का. आ. 901(अ)/18कक/आई. ड. आर. ए./84, तारीख 5 दिसंबर,  
1984

और स. का. आ. 15(अ)/18कक/आई. ड. आर. ए./85, तारीख 11  
जनवरी, 1985, द्वारा उक्त आदेश का अंतिम तारीख 30 अप्रैल, 1985 तक  
वैध बना रखा है ;

और केन्द्रीय सरकार का राय है कि लोकहित में यह समीक्षित है  
कि उक्त आदेश तारीख 31 मई, 1985 तक का, और अवधि के लिए,  
प्रभावों बना रहना चाहिए।

अतः, केन्द्रीय सरकार उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम,  
1951 (1951 का 65) का धारा 18क का उपधारा (2) के परन्तुक  
के साथ पठित धारा 18कक का उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का  
प्रयोग करते हुए निदेश देती है, कि उक्त आदेश 31 मई, 1985 तक,  
जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है और अवधि के लिए प्रभाव बना  
रहेगा।

[फा. सं. 2(23)/79-स. य. एम.]

ए. पी. सरवान, मयूक्त सचिव

## MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 25th April, 1985

### ORDER

S.O. 360(E)/18AA/IDRA/85.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No. S.O. 602(E)/18AA/IDRA/74, dated the 9th October, 1974 (hereinafter referred to as the said Order) made in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government authorised a body of persons specified therein to take over the management of Messrs. Motor and Machinery Manufacturers Limited, Calcutta, for a period of five years commencing from 9th October, 1974 and the said body of persons was replaced by Shri P. N. Ramachandran, Chief Executive of the said industrial undertaking by Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 567(E)/18AA/IDRA/78, dated the 25th September, 1978 and by Shri K. M. Banerjee, Deputy General Manager, Bharat Heavy Electricals Limited, Calcutta, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial

Development), No. S.O. 866(1)/18AA/IDRA/80, dated the 29th October, 1980, to take over the management of the said industrial undertaking ;

And, whereas, by the Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) :

Nos. S.O. 572(E)/18AA/IDRA/79, dated the 8th October, 1979,

S.O. 738(E)/18AA/IDRA/81, dated the 6th October, 1981,

S.O. 263(E)/18AA/IDRA/82, dated the 8th April, 1982,

S.O. 719(E)/18AA/IDRA/82, dated the 8th October, 1982,

S.O. 8(E)/18AA/IDRA/83, dated the 7th January, 1983,

S.O. 282(E)/18AA/IDRA/83, dated the 8th April, 1983,

S.O. 718(E)/18AA/IDRA/83, dated the 7th October, 1983,

S.O. 10(E)/18AA/IDRA/84, dated the 7th January, 1984,

S.O. 271(E)/18AA/IDRA/84, dated the 7th April, 1984,

S.O. 491(E)/18AA/IDRA/84, dated the 6th July, 1984,

S.O. 761(E)/18AA/IDRA/84, dated the 1st October, 1984,

S.O. 817(E)/18AA/IDRA/84, dated the 5th November, 1984,

S.O. 901(E)/18AA/IDRA/84, dated the 5th December, 1984 and

S.O. 15(E)/18AA/IDRA/84, dated the 30th April, 1985 ;

the duration of the said Order was further extended upto and inclusive of the 30th April, 1985 ;

And, whereas, the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the said Order continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 31st May, 1985 ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA read with proviso to sub-section (2) of section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 31st May, 1985.

[File No. 2(23)/79-CUS.]

A. P. SARWAN, Jr. Secy.